जैनधर्म पर लोक मत।

मैं विश्वासके साथ यह बात कहूंगा कि महावीर स्वामीका नाम इस समय यदि किसी सिद्धान्तके लिये पूजा जाता है तो वह अहिंसा है। अहिंसा तत्वको यदि किसीने अधिकसे अधिक विकसित किया है तो वे महावीर स्वामी थे।

—स्व० महात्मा गांधी।

जैनोंका अर्थ है संयम और अहिंसा। जहां अहिंसा है वहां द्वेषभाव नहीं रह सक्ता। दुनियोंको यह पाठ पढ़ानेकी जवाबदारी आज नहीं तो कल अहिंसात्मक संस्कृतिके ठेकेदार बननेवाले जैनियोंको ही लेना पड़ेगी।

—सरदार वल्लभभाई पटेल, ~~गृहमंत्री भारत सरकार~~।

हिन्दु संस्कृति भारतीय संस्कृतिका एक अंश है, और जैन तथा बौद्ध यद्यपि पूर्णतया भारतीय हैं परन्तु हिन्दू नहीं हैं।

—~~प्रधानमंत्री~~ पं० जवाहरलालजी नेहरू (डिस्कवरी ऑफ इंडिया)।

श्री महावीरजीके उपदेशों पर अमल करनेसे ही वास्तविक शांति प्राप्ति होसक्ती है। इस महापुरुषके बताये हुये पथका अनुसरण कर